Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

J 9115

PAPER - II
PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा।

PRAKRIT
PAPER - II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

1. This statement is **not** correct :
(1) Use of Visarga is not found in Prakrit
(2) Paiśāci is included in the kinds of Prakrit
(3) Dative and genitive cases are same in Prakrit
(4) All three numbers (Vachana) are used in Prakrit grammar

2. Scholars have accepted this Prakrit as the 'Prakriti' (root) of Paiśācī Prakrit :
(1) Avanti (2) Māgadhī (3) Śaurasenī (4) Mahārāṣṭrī

3. Inscriptional Prakrit is considered as :
(1) Modern Prakrit
(2) Prakrit of Apabhraṃsa period
(3) Śaurasenī and Māgādhī Prakrit
(4) Prakrit of Third period

4. Śauraseni Āgamas are based on this early Prakrit scripture :
(1) Kappasutta (2) Diṭṭhivāda (3) Āyāro (4) Mūlāyāro

5. The main feature of Māgadhī Prakrit is :
(1) Last Ka changes into Kha (2) La in place of Ra
(3) Ka in place of Ga (4) Ja in place of Ca

6. The following group of texts is the **correct** group of Ardhamāgadhī texts :
(1) Nāyādhammakahā, Gahāsattasaī, Niyamasāro
(2) Ṭhāṇāng, Sūyagado, Āyāro
(3) Vivāgasuyaṁ, Aṭṭhapāhuda, Dabbasaṅgaho
(4) Paumacariyaṁ, Mulācāra, Bārasāṇuvekkha

7. The 'Aupapātikasutta' is included in this kind Āgama texts :
(1) Upāngasūtra (2) Mūlasūtra (3) Chedasūtra (4) Aṅgasūtra

प्राकृत

प्रश्नपत्र - II

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा (50)** बहु विकल्पीयाणि पण्हाणि सन्ति। पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि। **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति।

1. यह कथन सही **नहीं** है :

(1) प्राकृत में विसर्ग का प्रयोग नहीं पाया जाता।

(2) प्राकृत के भेदों में पैशाची सम्मिलित है।

(3) कारक के चतुर्थी एवं षष्ठी के रूप प्राकृत में समान हैं।

(4) प्राकृत व्याकरण में सभी तीनों वचन प्रयुक्त होते हैं।

2. विद्वानों ने पैशाची प्राकृत की प्रकृति इस प्राकृत को माना है :

(1) अवन्ति (2) मागधी (3) शौरसेनी (4) महाराष्ट्री

3. शिलालेखीय प्राकृत इस प्रकार मानी जाती है :

(1) आधुनिक प्राकृत (2) अपभ्रंश युग की प्राकृत

(3) शौरसेनी और मागधी प्राकृत (4) तृतीययुगीन प्राकृत

4. शौरसेनी आगम इस प्राचीन प्राकृत आगम ग्रन्थ पर आधारित हैं :

(1) कप्पसुत्त (2) दिट्ठिवाद (3) आयारो (4) मूलायारो

5. मागधी प्राकृत का यह प्रमुख लक्षण है :

(1) अन्तिम क को ख (2) र के स्थान पर ल

(3) ग के स्थान पर क (4) च के स्थान पर ज

6. अधोलिखित ग्रन्थ समूह अर्धमागधी ग्रन्थों का सही समूह है :

(1) णायाधम्मकहा, गाहासत्तसई, नियमसारो (2) ठाणांग, सूयगडो, आयारो

(3) विवागसुयं अट्ठपाहुड, दब्बसंगहो (4) पउमचरियं, मूलाचार, बारसाणुवेक्खा

7. 'औपपातिकसूत्त' आगमसाहित्य के इस विभाग में सम्मिलित है :

(1) उपांगसूत्र (2) मूलसूत्र (3) छेदसूत्र (4) अंगसूत्र

8. Illustrative - narratives are given in this Āgama :

(1) Ṇāyādhammakahao (2) Ṭhāṇāṅga

(3) Samavāyāṅga (4) Paṅhaviyākaraṇasuttaṁ

9. Ācārya Padmanandi has written this text in Prakrit :

(1) Mūlacāra (2) Jaṁbuddīvapaṅṅatti

(3) Dabbasaṁgaho (4) Vairāgarasāyāna-Prakaraṇa

10. Piṇḍaṇijjutti is included into this group of texts :

(1) Chedasūtra (2) Mūlasutra (3) Upāngsūtra (4) Paiṇṇagasūtta

11. Sudaṇsaṇācariyaṁ is also known as :

(1) Sirisirivālakahā (2) Mahāvīrachariyaṁ

(3) Shakunikāvihar (4) Kuvalayamālākahā

12. This is **not** included in Khandakāvyas :

(1) Kaṇsavaho (2) Bhringasandeśa

(3) Vajjālaggaṁ (4) Ushāṇiruddha

13. The total Aśvāsa in the Setubaṅdha are :

(1) 12 (2) 15 (3) 16 (4) 18

14. Āmradeva Sūrī is the commentator of this text :

(1) Kummāputṭacariyaṁ (2) Vasudevahindikahā

(3) Mahāvīracariyaṁ (4) Akkhāṇayamaṇikosaṁ

15. Gommaṭasāra-jīvakānda is divided into these chapters :

(1) 18 (2) 20 (3) 22 (4) 25

16. This is not a work of Nemichandra Siddhānta - Cakravarti :

(1) Trilokasāra (2) Kshapaṇāsāra (3) Sammaisuttaṁ (4) Davvasaṅgaho

8. इस आगमग्रन्थ में दृष्टान्त कथाएँ दी गयी हैं :

(1) णायाधम्मकहाओ (2) ठाणांग (3) समवायांग (4) पण्हवियाकरणसुत्तं

9. आचार्य पद्मनन्दि की यह प्राकृत रचना है :

(1) मूलाचार (2) जंबुद्दीवपण्णत्ति (3) दब्बसंगहो (4) वेराग्यरसायन-प्रकरण

10. 'पिण्डनिज्जुत्ति' इस ग्रन्थसमूह में सम्मिलित है :

(1) छेदसूत्र (2) मूलसूत्र (3) उपांगसूत्र (4) पइण्णगसूत्त

11. सुदंसणाचरियं का दूसरा नाम है :

(1) सिरिसिरिवालकहा (2) महावीरचरियं (3) शकुनिकाविहार (4) कुवलयमालाकहा

12. खण्डकाव्यों में यह सम्मिलित **नहीं** है :

(1) कंसवहो (2) भृंगसंदेश (3) वज्जालग्गं (4) उषाणिरुद्ध

13. सेतुबन्ध में कुल आश्वास हैं :

(1) 12 (2) 15 (3) 16 (4) 18

14. आम्रदेव सूरी इस ग्रन्थ के वृत्तिकार हैं :

(1) कुम्मापुत्तचरियं (2) वसुदेवहिण्डीकहा (3) महावीरचरियं (4) अक्खाणयमणिकोसं

15. गोम्मटसार-जीवकाण्ड इतने अधिकारों में विभक्त है :

(1) 18 (2) 20 (3) 22 (4) 25

16. यह ग्रन्थ नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती का नहीं है :

(1) त्रिलोकसार (2) क्षपणासार (3) सम्मइसुत्तं (4) दव्वसंगहो

17. The number of stories given in the 'Kumārapāla-pratibodha' is :
(1) Sixty Eight (2) Seventy Eight (3) Fifty Eight (4) Forty Eight

18. Who is the Heroine of Mricchakatikā Natakam ?
(1) Ratnāvali (2) Malavikā (3) Vasantasenā (4) Shakuntalā

19. This group belongs to Prakrit-Kosha :
(1) Attha Pāhuda , Amarkosha, Namamala
(2) Prakrita Sarvaswa, Taranga lolā , Gommatsāra
(3) Pāiya Sadda mahaṇṇavo , Paiya Lacchi- nāma mala, Deshi- Nāmmāla
(4) Prakrita Paiṅgalaṁ , Prakrita Roopāwatāra , Shatbhāshāchandrikā

20. Alankār - Dappaṇa belongs to this category :
(1) Kosha (2) Nāmamalā
(3) Alaṁkāra (4) Chhaṅda

21. The script of Hathigumphā Inscription is :
(1) Kharoṣṭhi (2) Brāhmī (3) Kuṭil (4) Shāradā

22. The Language of Khāravela Inscription is :
(1) Sanskrit (2) Oriya (3) Gaudi (4) Prakrit

23. The total lines of Hathigumphā-Inscription are :
(1) Ten (2) Six (3) Nine (4) Seventeen

24. The script of Girnāra Inscription of Ashokā is :
(1) Kharoshthi (2) Brāhmi (3) DevaNāgari (4) Sharadā

25. The **correct** statement of Kharavela inscription is :
(1) Sarvata vijitamhi devānaṁ priyasa rāño
(2) Kalingarājavaṁsa purisayuge Mahārājāmirocanaṁ pāpunāti
(3) Sarvata vijite mama yutā ca rājūke ca pādesike ca
(4) Devānaṁ priyasa priyadasino rāño dhṁmānusasṭiyā-anāraṁ

17. 'कुमारपाल प्रतिबोध' में कुल इतनी कथाएँ उपलब्ध हैं :

(1) अड़सठ (2) अठत्तर (3) अट्ठावन (4) अड़तालीस

18. मृच्छकटिका नाटकं की नायिका कौन है ?

(1) रत्नावली (2) मालविका (3) वसन्तसेना (4) शकुन्तला

19. प्राकृत के कोश-ग्रन्थ ये हैं :

(1) अट्ठपाहुड, अमरकोश, नाममाला

(2) प्राकृत सर्वस्व, तरंग लोला, गोम्मटसार

(3) पाइयसद्द-महण्णवो, पाइयलच्छी-नाममाला, देशी-नाममाला

(4) प्राकृत पैंगलम, प्राकृत रूपावतार, षट्भाषा चन्द्रिका

20. अलंकार-दप्पण इस विधा का ग्रन्थ है :

(1) कोश (2) नाममाला (3) अलंकार (4) छन्द

21. हाथीगुम्फा-शिलालेख की लिपि यह है :

(1) खरोष्ठी (2) ब्राह्मी (3) कुटिल (4) शारदा

22. खारवेल-शिलालेख की भाषा यह है :

(1) संस्कृत (2) उड़िया (3) गौडी (4) प्राकृत

23. हाथीगुम्फा-शिलालेख की कुल पंक्तियों की संख्या है :

(1) दस (2) छह (3) नौ (4) सत्रह

24. अशोक के गिरनार शिलालेख की लिपि यह है :

(1) खरोष्ठी (2) ब्राह्मी (3) देवनागरी (4) शारदा

25. खारवेल शिलालेख का यह **सही** कथन है :

(1) सर्वत्त विजितम्हि देवानं प्रियस राज्ञो

(2) कलिंगराजवंस पुरिसयुगे महाराजामिरोचनं-पापुनाति

(3) सर्वत विजिते मम युता च राजूके च पादेसिके च

(4) देवानं प्रियस प्रियदसिनो राज्ञो धंमानुसस्टिया-अनारं

26. The source of origin and development of Hindi Language is :

(1) Apabhraṁśa (2) Sanskrit (3) Tamil (4) Pali

27. This quotation does **not** belong to Aśokan - inscription :

(1) Sarvatāhārāpitāni ca ropāpitani ca

(2) Pāṇānaṁ sādhu anāraṁbho

(3) Vadhī ca ahīnī ca sādhu

(4) Gaha-ratanāna paḍihārehi aṁgamāgadhavasuṁ ca neyāti

28. The number of sub-chapters of Logavijaya of Āyāro is :

(1) 6 (2) 7 (3) 8 (4) 10

29. 'Ṇikkammā aṭṭhaguṇā Kiṁcūṇā caramadehado' this quotation deals with the characteristics of :

(1) Arihanta (2) Siddha (3) Ācharya (4) Upādhyāya

30. 'Icchā u āgāsasamā aṇantiyā' the quotation is found in :

(1) Uttarajjhayaṇa (2) Sammaisuttaṁ

(3) Āyāro (4) Dabbasaṅgaho

31. 'The Namipavajja', a chapter of this Āgama text is :

(1) Suttagaḍaṅga (2) Āyāro

(3) Vipākasutta (4) Uttarajjhayaṇasutta

32. This word is **not** the example of secondary (Taḍhita) suffix :

(1) Gāmillo (2) Jittia (3) Pupphimā (4) Suhaṁ

33. These vowels are **not** found in Prakrit :

(1) A and I (2) A and U (3) ai and au (4) Ā and Ī

34. This is an example of prothesis :

(1) Sariā (2) Siviṇo (3) Risi (4) Pattalaṁ

26. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास इससे हुआ :

(1) अपभ्रंश (2) संस्कृत (3) तमिल (4) पालि

27. यह उद्धरण अशोकीय शिलालेख का **नहीं** है :

(1) सर्वताहारापितानि च रोपापितानि च

(2) पाणानं साधु अनारंभो

(3) वधी च अहीनी च साधु

(4) गह-रतनान पडिहारेहि अंगमागधवसुं च नेयाति

28. आयारो के लोगविजय के उप-अध्यायों की संख्या है :

(1) 6 (2) 7 (3) 8 (4) 10

29. 'णिक्कम्मा अट्‌ठगुणा किंचूणा चरमदेहदो' इस उद्धरण में इसकी विशेषताएं मिलती हैं :

(1) अरिहन्त (2) सिद्ध (3) आचार्य (4) उपाध्याय

30. 'इच्छा उ आगाससमा अणन्तिया' यह उद्धरण इसमें है :

(1) उत्तरज्झयण (2) सम्मइसुत्तं (3) आयारो (4) दब्बसंगहो

31. 'नमिपवज्जा', इस आगम ग्रन्थ का एक अध्याय है :

(1) सुत्तगडंग (2) आयारो (3) विपाकसुत्त (4) उत्तरज्झयणसुत्त

32. यह शब्द तद्धित प्रत्यय का उदाहरण **नहीं** है :

(1) गामिल्लो (2) जित्तिअ (3) पुप्फिमा (4) सुहं

33. प्राकृत में ये स्वर **नहीं** होते हैं :

(1) अ और इ (2) अ और उ (3) ऐ और औ (4) आ और ई

34. यह आदि स्वरागम का उदाहरण है :

(1) सरिआ (2) सिविणो (3) रिसि (4) पत्तलं

35. 'Dya' Changes into Mahāraṣṭrī as :

(1) Pha (2) jja (3) ññā (4) jha

36. Read the **Unit - I** and **II** for the **correct** Match :

	Unit - I		**Unit - II**
(a)	Rāikkaṁ	(i)	Kṛdanta
(b)	Asaṇapāṇaṁ	(ii)	Sandhi
(c)	Ramāmahaṁ	(iii)	Samāsa
(d)	Bhaṇiduṁ	(iv)	Taddhita

Identify the **correct** answer in the codes :

(1) (c) + (iv) (2) (d) + (i) (3) (b) + (ii) (4) (a) + (iii)

37. In instrumental case plural, the word 'Hari' becomes :

(1) Harī (2) Hariṇā (3) Hariṇo (4) Harīhi

38. Caudahapuvvilla duvālasaṅgi

jiṇavayaṇaviṇiggaya sattabhaṅgi.

Vāyaraṇaviṭṭi pāyaḍiyaṇāma

pasiyau mahu devi moṇohirāma.

The above verse is taken from this book :

(1) Ṇāyakumāracariu (2) Pāsaṇāhacariu

(3) Paumacariu (4) Jasaharacariu

39. This statement is **not** true :

(1) There is no Praveśaka and Viṣkaṁbhaka in Karpūramanjarī.

(2) Karpūramaṅjarī is a saṭṭaka.

(3) Rajshekhar is the author of Karpūramaṅjarī.

(4) Shakuntala is the heroine of Karpūramaṅjarī.

40. According to kuvalayamālākahā 'Akkhevaṇī, vikkhevaṇī, saṁvegajaṇaṇi and ṇivveyajaṇaṇi' are different types of this 'Kahā' :

(1) Dhammakahā (2) Atthakahā (3) Kāmakahā (4) Bhogakahā

35. महाराष्ट्री में 'द्य' का परिवर्तन यह होता है :

(1) फ (2) ज्ज (3) ञ्ञ (4) झ

36. **प्रथम** और **द्वितीय इकाइयों** का **सही** मिलान कीजिए :

इकाई - I		**इकाई - II**
(a)	राइक्कं	(i) कृदन्त
(b)	असणपाणं	(ii) सन्धि
(c)	रमामहं	(iii) समास
(d)	भणिदुं	(iv) तद्धित

कूटों में से **सही** उत्तर पहिचानिए :

(1) (c) + (iv) (2) (d) + (i) (3) (b) + (ii) (4) (a) + (iii)

37. 'हरि' शब्द की तृतीया विभक्ति में बहुवचन का रूप यह होता है :

(1) हरी (2) हरिणा (3) हरिणो (4) हरीहि

38. चउदहपुव्विल्ल दुवालसंगि
जिणवयणविणिग्गय सत्तभंगि।
वायरणवित्ति पायडियणाम
पसियउ महु देवि मणोहिराम।।

उपर्युक्त गाथा इस ग्रन्थ से उद्धृत है :

(1) णायकुमारचरिउ (2) पासणाहचरिउ
(3) पउमचरिउ (4) जसहरचरिउ

39. यह कथन सत्य **नहीं** है :

(1) कर्पूरमंजरी में प्रवेशक और विष्कम्भक नहीं हैं।
(2) कर्पूरमंजरी एक सट्टक है।
(3) राजशेखर कर्पूरमंजरी के रचयिता हैं।
(4) शकुन्तला कर्पूरमंजरी की नायिका है।

40. कुवलयमालाकहा के अनुसार 'अक्खेवणी, विक्खेवणी, संवेगजणणि तथा णिव्वेयजणणि' इस 'कहा' के विभिन्न प्रकार हैं :

(1) धम्मकहा (2) अत्थकहा (3) कामकहा (4) भोगकहा

41. The language of Setubandha Mahākāvya is _____.

(1) Apabhraṁs'a (2) Mahārāṣtrī Prakrit

(3) Paiśā Prakrit (4) Śaurasenī Prakrit

42. This statement is **not** true :

(1) Mṛcchakatikaṁ is a Prakaraṇa .

(2) Various types of Prakrits are used in Mṛcchakatikaṁ .

(3) Kālidāsa is the author of Mṛcchakatikaṁ .

(4) Charudatta is the hero of Mṛcchakatikaṁ .

43. Kinds of Assimilation changes in Prakrit are :

(1) Six (2) Three (3) Five (4) Four

44. This pair is the example of conditional phonetic change in Prakrit :

(1) Sparśah > Faṁso , Vakraṁ > Vaṁkaṁ

(2) Araṇyaṁ > Raṇṇaṁ , Śakaṭaṁ > Sayaḍaṁ

(3) Tuṇḍah > Toṇdo , Mūlyaṁ > Mollaṁ

(4) Kūrpāsah > Kuppiso, ikṣuh > ucchū

45. **Correct**, texts group of the Śaurasenī texts is :

(1) Niyamasāra, Acāraṅga, Pravacanasāra

(2) Barasāṇuvekkhā, Aṭṭhapāhudaṁ, Davvasangahō

(3) Mūlāyārō, Vivāgasuyaṁ, Samayasārō

(4) Pavayaṇasārō, Tiloyapaṇṇatti, Paumacariyaṁ

46. Name of the fifth Aṅga Āgama is :

(1) Viyāhapaṇṇatti (2) Vivāgasuyaṁ

(3) Ṅāyādhammakahā (4) Paṁhavāgaraṇaṁ

47. The number of Gāthās found in Alaṁkāra-Dappaṇa is :

(1) Two Hundred (2) Ninety One

(3) Sixty (4) One Hundred and Thirty Four

41. सेतुबन्ध महाकाव्य की भाषा है :

(1) अपभ्रंश (2) महाराष्ट्री प्राकृत (3) पैशाची प्राकृत (4) शौरसेनी प्राकृत

42. यह कथन सत्य **नहीं** है :

(1) मृच्छकटिकं एक प्रकरण है।

(2) मृच्छकटिकं में अनेक प्रकार की प्राकृतों का प्रयोग हुआ है।

(3) कालिदास मृच्छकटिकं के रचयिता हैं।

(4) चारुदत्त मृच्छकटिकं का नायक है।

43. प्राकृत में समीकरण परिवर्तन इतने प्रकार का होता है :

(1) छः (2) तीन (3) पाँच (4) चार

44. प्राकृत में परोद्भूत परिवर्तन का उदाहरण यह युग्म है :

(1) स्पर्शः > फंसो, वक्रम् > वंकं (2) अरण्यम् > रण्णं, शकटम् > सयडं

(3) तुण्डः > तोण्डो, मूल्यम् > मोल्लं (4) कूर्पासः > कुप्पिसो, इक्षुः > उच्छू

45. शौरसेनी ग्रन्थों का **सही** ग्रन्थ समूह है :

(1) नियमसार, आचारांग, पवचनसार (2) बारसाणुवेक्खा, अट्ठपाहुडं, दव्वसंगहो

(3) मूलायारो, विवागसुयं, समयसारो (4) पवयणसारो. तिलोयपण्णत्ति, पउमचरियं

46. पाँचवें अंग आगम का नाम है :

(1) वियाहपण्णत्ति (2) विवागसुयं (3) णायाधम्मकहा (4) पण्हवागरणं

47. अलंकार-दप्पण में इतनी गाथाएँ उपलब्ध होती हैं :

(1) दो सौ (2) इक्यानवे (3) साठ (4) एक सौ चौंतीस

48. Read **Units - I** and **II** for **correct** match :

Unit - I		**Unit - II**	
(a)	Aviseso vayaṇavihi	(i)	Āyāro
(b)	Araho loga-pūio	(ii)	Pavayaṇasāro
(c)	Arahante māṇase khette	(iii)	Uttarajjhayaṇaṁ
(d)	Santi pāṇā puḍho siyā	(iv)	Sammaisuttaṁ

Choose the **correct** answer code :

(1) (b) + (ii) (2) (d) + (iii) (3) (a) + (iv) (4) (c) + (i)

49. According to Karpooramañjarī Bhairavānaṁda is a follower of this belief :

(1) Shaiva - dharma (2) Vaishṇava - dharma

(3) Kaul - dharma (4) Brahmaṇa - dharma

50. This example can be quoted for the influence of Prakrit on Modern - Indian - language Hindi :

(1) Olaga (to serve) (2) Akkā (mother)

(3) Akhāḍā (arena) (4) Kurulu (curly hair)

- o 0 o -

48. **सही** मिलान के लिए **पहली** और **दूसरी इकाइओं** को पढ़िए :

इकाई - I		**इकाई - II**	
(a)	अविसेसो वयणविहि	(i)	आयारो
(b)	अरहो लोगपूइओ	(ii)	पवयणसारो
(c)	अरहंते माणसे खेत्ते	(iii)	उत्तरज्झयणं
(d)	संति पाणा पुढो सिया	(iv)	सम्मइसुतं

सही उत्तर कूट चुनिए :

(1) (b) + (ii) (2) (d) + (iii) (3) (a) + (iv) (4) (c) + (i)

49. कर्पूरमंजरी के अनुसार भैरवानन्द इस मत का अनुयायी है :

(1) शैव धर्म (2) वैष्णव धर्म (3) कौल धर्म (4) ब्राह्मण धर्म

50. यह उदाहरण आधुनिक भारतीय भाषा हिन्दी पर प्राकृत के प्रभाव का निदर्शन है :

(1) ओलग (सेवा करना) (2) अक्का (माँ)

(3) अखाड़ा (मल्लभूमि) (4) कुरुलु (घुंघराले बाल)

- o 0 o -

Space For Rough Work